आर० जी० कॉलेज को नमन

आर०जी० कॉलेज को मेरा नमन है,
जो उच्च शिक्षा प्रसार किया।
महिलाओं को शिक्षित करके,
सामाजिक उत्थान दिया।।
ईंटों का ये ढांचा नहीं है,
ये है मंदिर विद्या का,
दूर क्षेत्रों से आती हैं,
कन्याएं ले मन अभिलाषा,
भरकर उनमें उज्जवल ज्योति,
ऊंचा चरित्र निर्माण किया।
आर०जी० कॉलेज को मेरा नमन है,
जो उच्च शिक्षा प्रसार किया।।
वाणिज्य, कलाएं और विज्ञान,
सबकी कसौटी निश्चित है,
सोना बनकर निकले यहां से,
कांसा जो मस्तिष्क और चित्त है,
तकनीकी कौशल दे सबको,
जीवन को एक आधार दिया।
आर०जी० कॉलेज को मेरा नमन है,
जो उच्च शिक्षा प्रसार किया।।

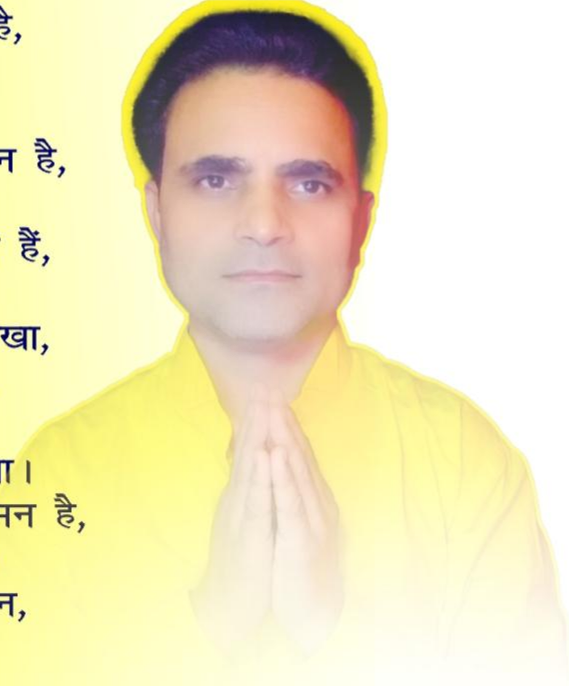

यहां शिक्षा पाने को आती रहीं हैं,
निर्धन और धनवान सभी,
धर्म और जाति पे हमने ना देखा,
होता किसी का अपमान कभी,
छात्रवृत्ति से देकर सहारा,
कितनों का सपना साकार किया।
आर०जी० कॉलेज को मेरा नमन है,
जो उच्च शिक्षा प्रसार किया।।
यहां की सुरक्षा, यहां का प्रबन्धन,
गौरव भर देता है मन में,
शिक्षिकाएं सब तत्पर रहती,
शंका मिटाने को हो जो मन में,
विभिन्न प्रतियोगिताओं में आगे रखकर,
संस्थान को उच्च स्थान दिया।
आर०जी० कॉलेज को मेरा नमन है,
जो उच्च शिक्षा प्रसार किया।
महिलाओं को शिक्षित करके,
सामाजिक उत्थान दिया।।- डा० रविन्द्र धीमान(२२ मार्च २०२४)